वन्दे मातरम्

कार्यशाला की कार्यवाही

SJM, SRKPS & SAFE के संयुक्त तत्वावधान में

आयोजित

“मंथन–2023: सीमा क्षेत्र का एकीकृत विकास - एनजीओ की भूमिका”

दिनांक : 11 जून, 2023

स्थान : रैडिसन ब्लू होटल, कौशांबी, गाजियाबाद

देश की रक्षा धर्मं हमारा,देश की सेवा कर्म हमारा

गूंज उठेगा जल थल अम्बर, जग में गौरव गान

सरहद तुझे प्रणाम

जुलाई, 2023

1.0 कार्यक्रम के मुख्य बिंदु

राष्ट्रव्यापी स्तर पर सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास लिए कार्यरत गैर-सरकारी, गैर राजनीतिक संस्था सीमा जागरण मंच, SRKPS & SAFE ने रविवार, दिनांक : 11 जून, 2023 को "सीमा क्षेत्र के एकीकृत विकास में एनजीओ की भूमिका" विषय पर **मंथन-2023 कार्यक्रम** का आयोजन किया ("Manthan-2023: An Integrated Development of Border Area - Role of NGOs")। मुख्य अतिथि माननीय केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल जी ने मंथन कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु इस प्रकार है:-

- **मंथन-2023 का आयोजक मंडल**
  - CA (डॉ.) विजय चौधरी जी, सेवा प्रमुख, सीमा जागरण मंच
  - डॉ. अमित कुमार अग्रवाल जी, संयोजक, मंथन कार्यशाला
  - डॉ. सौहार्द सिंह जी, सह-संयोजक, मंथन कार्यशाला
  - श्री आलोक अग्रवाल जी, प्रान्त कोषाध्यक्ष
  - एडवोकेट श्रीमती ऋतु रस्तोगी, प्रान्त कार्यकारणी सदस्य
- **मंथन-2023 कार्यक्रम में चार सत्र आयोजित हुए**
  - प्रथम सत्र- **Overview of Indian Borders : Challenges Role of NGOs :** Panel Discussion
    - Moderator: Dr. Sauhard Singh
    - Infrastructure at Border: Shri Sanjay Agarwal
    - Costal Border: Shri Hamendra Rajput
    - Land Border: Dr. Jatin Kumar
    - Concluding Remarks: Dr. Shreesh K Pathak
  - दूसरा सत्र- **Enabling CSR Guidelines for Integrated Development of Borders**
    - Session Chairman: Shri Raja Iqbal Singh
    - Dr. Amit Kumar Agrawal

- <u>तीसरा सत्र</u>- **Raising Funds on Social Stock Exchange**
    - CA. Kuldeep Kothari
- <u>चौथा सत्र</u>- **Presentation of shortlisted NGO's in front of CSR heads of following PSU's:**
    - Shri M L Meena, GM (Finance & Head CSR), REC
    - CA. Mahesh Sharma, GM (Finance), NHPC
    - Shri K Ganeshiya, CGM (HR), NBCC
    - Shri Anjeev Kumar Jain, GM (Finance), RITES
    - Shri Viney Sethi, AGM, NTPC
    - Shri Gurtej Singh, Manager (HR), IOCL
    - Shri Gyaneshwar Prasad Payasi, CGM, Power GRID

❖ **कुल प्रतिभागी : 300**

- कार्यक्रम में सहभागिता करने लेने वाले एनजीओ की कुल संख्या : **67 (कुल व्यक्ति संख्या - 150).** अन्य विवरण इस प्रकार है :

दिल्ली एनसीआर से आए एनजीओ की संख्या (दिल्ली, नोएडा, वसुंधरा, वैशाली, गुरुग्राम)	**34 nos.**
दिल्ली राज्य के बाहर से आए एनजीओ की संख्या	**33 nos.**

उत्तरी भारत से आए एनजीओ की संख्या	**39 nos.**
दक्षिण भारत से आए एनजीओ की संख्या	**1 no.**
पूर्वी भारत से आए एनजीओ की संख्या	**6 nos.**
पश्चिमी भारत से आए एनजीओ की संख्या	**19 nos.**
मध्य भारत से आए एनजीओ की संख्या	**2 nos.**

- आयोजन में भाग लेने वाले कार्यकर्ताओं की संख्या : **150**
- मंथन-2023 में भाग लेने वाले एनजीओ की सूची संलग्न है **(Annexure-1)**

❖ मंथन–2023 के प्रायोजक (Sponsor) : NHPC

2.0 NGO - द्वारा बताए गये विषय, उनकी आवश्यकता - अन्त में क्या?

- Doers Foundation – Himachal Pradesh
    - हमारी संस्था हिमाचल प्रदेश में काम करती है। सीमावर्ती क्षेत्र में क्रॉस बॉर्डर की समस्या बहुत ही गंभीर है। आपराधिक गतिविधि भी ज्यादातर सीमावर्ती क्षेत्र में होती है।
    - सीमावर्ती क्षेत्र में हमने देखा है कि बहुत से परिवार सीमा-पार (क्रॉस बॉर्डर क्षेत्र में) जाकर आपराधिक गतिविधि करते हैं। कारण यह है कि वहां पर सामाजिक लाभार्थी योजनाएँ नाममात्र की हैं। सीमावर्ती क्षेत्र के अधिकांश लोग खेतिहर मजदूर हैं अथवा देश के अन्य भागों में प्रवास करते हैं।
    - हमारा मानना है कि वहां के विकास के लिए पर्यटन (टूरिज्म) का विकल्प बहुत अच्छा है, इससे आजीविका के अन्य विकल्पों पर निर्भरता कम हो जाएगी। अगर ये सीमावर्ती भू-भाग पर्यटन क्षेत्र (टूरिस्ट एरिया) के रूप में विकसित हो जायेंगे तो वहां के लोगों को रोजगार के पर्याप्त साधन मिल जायेंगे। इस प्रकार जब वहां के लोगों के लिए रोजगार के पर्याप्त संसाधन उपलब्ध होंगे तो आपराधिक गतिविधियाँ स्वतः ही कम हो जाएंगी।

- Deerghayu Himalayan Organics - Uttarakhand
    - सीमावर्ती क्षेत्र से हमारा एक गहरा और आत्मीय रिश्ता है। वर्तमान समय में सीमावर्ती क्षेत्रों में पलायन एक बहुत बड़ी समस्या है। सरकार यह चाहती है कि सीमावर्ती क्षेत्रों के गांव खाली नहीं रहने चाहिए, क्योंकि इससे पड़ोसी देशों को सीमावर्ती क्षेत्र के गांवों में कब्जा करने का अवसर मिल जाता है। परिणामतः हमारी जमीनी सीमाएं कम हो रही हैं। वहां के निवासियों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। अतः वे लोग अपने गांवों को छोड़कर शहरों में काम की तलाश में चले जाते हैं। इस प्रकार वहां पर गांव खाली हो जाते हैं।
    - हमें वहां पर संसाधन के ऐसे स्रोत विकसित करने चाहिए, जिससे स्थानीय लोगों को आजीविका का साधन मिल जाए, ताकि वहां के नागरिक अपने गांव छोड़कर ना जाएँ। इस दिशा

में हमारे संगठन ने एक प्रयास किया है कि वहां पर बागवानी और खेती-बाड़ी को जीविका के साधन बनाया जाए। टूरिज्म से भी वहां के लोगों के लिए जीविका का एक अच्छा साधन उपलब्ध हो जाता है।

- हम अपने प्रयास से यदि इस क्षेत्र की बुनियादी सरंचना को ठीक करें तो वहां का व्यक्ति गांव छोड़कर शहर नहीं जाएगा और ये गांव खाली नही होंगे।

- **Param Jyoti Sewa Foundation – West Bengal**
  - पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्र में बाल-विवाह बहुत ही गंभीर समस्या है जो कि महिलाओं में एनीमिया जैसी समस्याओं को बढ़ावा देता है। इसके अतिरिक्त बच्चों में कुपोषण की समस्या भी अत्यंत विकराल है। साथ ही एक अन्य बड़ा मुद्दा वहां गैर-कानूनी व्यापार (उद्योग) जैसे कि बीड़ी बनाना है। 24 परगना, मुर्शिदाबाद आदि क्षेत्रों में बाल मजदूर बहुत बड़ी संख्या में पाई जाती है। इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य का मुद्दा एक गंभीर समस्या का रूप धारण किए हुए है। इसके अतिरिक्त मुर्शिदाबाद में मानव तस्करी भी व्यापक स्तर पर होती है। इस क्षेत्र में सामाजिक कुरीतियों के कारण महिला और बच्चो में भी यह प्रवृत्ति देखी गई है। यहां के निवासी नहीं चाहते हैं कि मानव तस्करी ख़त्म हो, क्योंकि यहां पर रोजगार के उचित साधन नहीं हैं। साथ ही इन लोगों का बीएसएफ-जवानों के साथ संवाद भी नाममात्र का है। वहां पर मानव तस्करी करके बच्चों को दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई जैसे बड़े शहरों में काम करवाने के लिए लाया जाता है। अतः इन लोगों के लिए आजीविका के उचित अवसर उपलब्ध करवाना अत्यंत अवश्यक है। साथ ही यहाँ के लोगों की आजीविका के साधनों में भी बदलाब लाना अत्यंत आवश्यक है।

- **PAIGAM - People's Association in Grassroots Action and Movements**
  - हमारी संस्था सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ी हुई है। वहां जब हमने धार्मिक अर्थव्यवस्था पर काम किया तो पता चला कि सीमावर्ती क्षेत्र में सामाजिक कार्यकर्ता नहीं हैं। अतः सीमा

जागरण मंच को भारत के सीमावर्ती क्षेत्र के विकास की तरफ ध्यान देना चाहिए।

- Transform Foundation
    - देश को आगे बढ़ाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों के बच्चों के लिए भी उचित शैक्षणिक अवसर उपलब्ध करवा कर उनके सपनों को साकार करना होगा। दिल्ली-मुम्बई में रहने वाले बच्चों की तुलना में यदि सीमावर्ती क्षेत्रों के बच्चों के पास संसाधन और अवसर उपलब्ध हों तो सीमावर्ती क्षेत्रों के बच्चे दिल्ली-मुंबई में रहने वाले बच्चों से आगे निकल जाएंगे। सीमावर्ती क्षेत्रों के बच्चे को यदि आपने सपना दिखा दिए तो वह लैंप के नीचे पढ़कर उस सपने को पूरा करना जानता है। सीमावर्ती क्षेत्रों के बच्चों को आगे बढ़ाना ही हमारा लक्ष्य है।

3.0 सीमा जागरण मंच का आव्हान

- "**मंथन-2023**" कार्यक्रम के प्रारंभ में सीमा जागरण मंच के दिल्ली प्रांत के अध्यक्ष नितिन कोहली जी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि आज सीमावर्ती क्षेत्रों में सबसे बड़ी चुनौती घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी और मतांतरण (धर्मांतरण) से जुड़ी हुई हैं। इसका मूल कारण है सीमावर्ती क्षेत्रों में संसाधनों की कमी और वहां के लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होना। देश विरोधी तत्त्व धन का लालच देकर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले मासूम लोगों को धोखा देते हैं। हमें ऐसे ही देश विरोधी तत्वों के खिलाफ लड़ना है और उन्हें रोकना है। सीमा जागरण मंच निरंतर ऐसी गतिविधियों की रोकथाम के लिए प्रयासरत है। सीमा जागरण मंच सीमावर्ती क्षेत्रों में शिक्षा केन्द्रों, स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियां- जैसे कि एंबुलेंस आदि की व्यवस्था आदि के संचालन के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रति सम्पूर्ण राष्ट्र को चेतनावान बनाने के महनीय कार्य में प्रवृत्त है।
- आज सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों की आवाज़ जन-जन तक पहुंचे, इसके लिए जन-जागरण की अत्यधिक आवश्यकता है। समाज के हर वर्ग को सीमावर्ती क्षेत्रों के हितों की रक्षा के लिए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। जब हम एक साथ काम करेंगे तभी तो होगा- 'सुरक्षित सीमा-समर्थ भारत'।

4.0 माननीय मुख्य अतिथि श्री अर्जुन राम मेघवाल जी के विचार : 'मंथन-2023'

- ❖ सीमा जागरण मंच ने एक मंथन किया है। देशभर के सभी NGO, PSU जो कि सीएसआर (CSR) के तहत अपने लाभांश का 2% खर्च करते हैं, अगर वे इसका एक हिस्सा बॉर्डर एरिया पर भी खर्च करें तो भारत के सीमावर्ती क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी। यह सीमा जागरण मंच का बहुत ही सराहनीय और सार्थक प्रयास है, यहां बहुत सारे एनजीओ संगठन भी आए हैं।
- ❖ इस संयुक्त प्रयास के बाद सीमावर्ती क्षेत्र के नागरिकों के जीवन में एक गुणात्मक सुधार आएगा। सीमावर्ती क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए वहां की अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) का मजबूत होना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए चाहे वहां पर स्कूल स्तर पर कोई नवाचार (Innovation) हो अथवा सड़कों की स्थिति में सुधार का विषय हो या फिर कंप्यूटर लैब व तकनीकी विकास की आवश्यकता का विषय हो। इन सभी पहलुओं के माध्यम से ही सीमावर्ती क्षेत्रों की आवश्यकताओं का समाधान होगा।
- ❖ सीमावर्ती क्षेत्रों में पलायन, सांख्यिकीय बदलाव तथा पर्यावरणीय चुनौतियों के साथ-साथ इन समस्याओं के समाधान के संभावित उपायों, पर्यटन-विकास की संभावनों, कृषि एवं बुनियादी ढाँचे के विकास जैसे नितांत आवश्यक तथा महत्वपूर्ण विषयों पर यहां गहनता से चर्चा की गई एवं इस पर समन्वित रूप से कार्य करने की योजना बनी है।
- ❖ एक सुझाव इस विचार-चर्चा में सामने आया है कि कंपनी एक्ट के सेक्शन 135 (A) में जो सीएसआर का शेड्यूल है उसमें जो 12 आइटम हैं, उनमें बॉर्डर एरिया में काम करने वाली गतिविधि को भी जोड़ा जाए। यह सुझाव आज के मंथन के सार के रूप में निकल रहा है।
- ❖ सीमा जागरण मंच द्वारा मंथन कार्यक्रम का आयोजन करना एक अच्छी पहल है। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों की जो समस्याएं हैं, उनके समाधान की दिशा में निश्चित ही सहायता मिलेगी।

5.0 श्री मुरलीधर भिंडा जी का वक्तव्य

- ❖ देश के सभी गैर सरकारी संगठन (NGOs) सामाजिक विकास के लिए काम करते हैं। सभी के मन में सामाजिक संवेदना है, जितने भी सीएसआर देने वाली संस्थाएं हैं, वे सभी देश के विकास के लिए सदैव तत्पर हैं। हमने सभी NGOs की कार्यप्रणाली को काफी अच्छे से सुना है। देश में अभी 31 लाख NGOs पंजीकृत हैं। भारत सरकार ने NGOs को लेकर कुछ मापदंड (Norms) निर्धारित किये है,

उनका हम पालन करें ऐसी अपेक्षा है। यहाँ एक सुझाव आया कि सीएसआर फंड का एक निश्चित भाग सीमावर्ती क्षेत्र के विकास के लिए निर्धारित किया जाए तथा इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार कानून बनाए। यदि आप लोग ऐसा सोचते हैं तो इस विचार को साकार रूप देने हेतु एक प्रस्ताव लाना चाहिए। उपस्थित सभी NGOs को उस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करके सम्बंधित मंत्रालय को भेजना चाहिए।

- ❖ सरकार के सामने विकास के विषयों को लेकर ग्राम एवं नागरिकों की वास्तविक सूचनाओं का अभाव रहता है परिणामतः समस्या के समाधान हेतु कार्य करने वाले लोग जमीनी हकीकत से अपरिचित होते हैं। अतः सीमांत क्षेत्र की इस प्रकार की जानकारी संग्रहित करना सुरक्षा एवं विकास के लिए अनिवार्य है। हम सभी गैर-सरकारी संगठनों का उद्देश्य एक ही है, अतः सभी को अपने संगठन के नाम और काम को बरकरार रखते हुए सीमावर्ती क्षेत्र के विकास हेतु कार्य करना है।

- ❖ भारत के प्रत्येक नागरिक हमारे लिए भगवान है। चाहे वह किसी भी जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र का हो। हमें प्रत्येक नागरिक के लिए काम करना चाहिए एवं प्रत्येक नागरिक का सहयोग लेना चाहिए। सीमावर्ती नागरिकों का प्रत्येक परिस्थिति में साथ देना हमारा कर्तव्य है। लेकिन हमें राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त लोगों से भी सावधान रहकर राष्ट्र की सुरक्षा करनी है।

- ❖ सीमावर्ती क्षेत्रों में जागरूकता लाने एवं वहां के विकास के लिए कुछ सामाजिक अध्ययन भी करना होगा और निष्कर्ष के रूप में जो भी समस्या सामने आएगी उसके आधार पर NGOs वहां सामाधान के लिए काम करेगें, सीएसआर देने वाली संस्थाएं हमारे संसाधनों को दृढ़ बनाने के लिए सहयोग करेंगी।

- ❖ जो भी सीएसआर देने वाली संस्थाएं हैं, उनसे सहयोग लेने के लिए सर्वप्रथम हमें उनके नियमों का अध्ययन करना होगा। साथ ही उनके समक्ष अपने NGOs की गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर सीएसआर फण्ड के लिए निवेदन करना चाहिए।

- ❖ सीमा जागरण मंच इस दिशा में प्रयास करने वाला एक गैर-सरकारी एवं गैर-राजनीतिक संगठन है। इसीलिए हम सभी निष्ठापूर्वक एवं ईमानदारी से काम करेंगे तथा एक-दूसरे के साथ मिलकर विकास योजनाओं को साझा करेंगे। इसी विश्वास के साथ हम आगे बढ़ेंगे और आप सभी के प्रयास से भारत की सीमाएं सुदृढ़ बनकर विकसित होंगी।

6.0 SJM, SRKPS, SAFE & NGOs के मंथन का सार/ निष्कर्ष

- अनुच्छेद 135 के तहत पीएसयू तथा सीएसआर को सामाजिक एवं पर्यावरण विकास से जुड़े विषयों का सञ्चालन (बिजनेस ऑपरेशन) और संवाद (इंटरेक्शन) करना चाहिए। हम सभी यह चाहते हैं कि सरकार इस विषय पर गहन रूप से विचार-विमर्श करे।
- एलटीसी जो कि सरकारी कर्मचारियों को दो साल में एक बार मिलती है, हम सभी यह चाहते हैं कि सरकार अतिरिक्त एलटीसी में सीमा क्षेत्र को अनिवार्य करे। साथ ही जब भी अतिरिक्त एलटीसी मिले उसमें हर बार अलग-अलग सीमावर्ती क्षेत्र सम्मिलित हों।
- सीमावर्ती क्षेत्र में जीवंत गांव का विकास : केंद्र सरकार पड़ोसी देशों से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए सीमित कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे वाले सीमावर्ती गांवों का विकास करे। गाँवों को प्राथमिकता के आधार पर सड़क, बिजली, पानी और इंटरनेट जैसी सुविधाओं से जोड़ने के साथ-साथ मौसम से जुड़ी समस्याओं से निपटने हेतु भी तैयार किया जाए।
- भारत सरकार द्वारा आयोजित/ प्रायोजित/ अनुदानित कॉन्फ्रेंस/ सेमीनारों को बॉर्डर क्षेत्र में सम्पन्न करने के लिए प्राथमिकता दी जाए।
- सीमा जागरण मंच की जो अंतिम संस्तुति/ अनुशंसा (recommendation) यह है कि सीएसआर का एक निश्चित हिस्सा सीमावर्ती क्षेत्रों में लगाया जाए। इसका विवरण निम्नवत है- हर कॉर्पोरेट पीएसयू को अपने लाभ का 2% सीएसआर में व्यय करना होता है। इस हिसाब से यदि सरकारी और अर्ध-सरकारी पीएसयू की बात करें तो लगभग 15000 करोड़ रूपए के लगभग धनराशी एकत्रित होती है। ऐसे ही निजी क्षेत्र से लगभग 15000 करोड़ रुपये एकत्रित हो जाता है। अगर हमारे प्रस्ताव को क्रियान्वित करके शासन अनुच्छेद 135 के अंतर्गत भारत के सारे सीमाक्षेत्र (Border) को शामिल कर ले तथा सीएसआर का कुछ ही प्रतिशत फंड इस हेतु मिल जाए, अर्थात् सरकारी और अर्ध-सरकारी पीएसयू के 15000 करोड़ का 2% फंड भी मिल जाए तो लगभग 300 करोड़ का फंड संचित हो जाता है। इससे हमारे सीमावर्ती क्षेत्र के समुचित विकास को नई गति प्राप्त हो सकती है। परिणामतः भारत की 15106.7 किमी लम्बी जमीनी और 7516.6 किमी लम्बी सागरीय सीमाओं को सुदृढ़, सुसम्पन्न एवं सुविकसित स्वरूप दिया जा सकता है।

---------x----------x----------x--------

Annexure-1

Details of Participated NGOs

S. No.	Name of NGOs	Area / Locality
1	Abhilasha Samiti	Pithoragarh
2	Adarsh Grameen Vikash Sansthan Girab, Barmer	GIRAB, Tehsil - Gadra Road, Barmer
3	Adarsha Sangha	Raghna Border
4	Association for Rural and Technical Education Centre	Kangra Himachal Pradesh
5	Astha Samiti	India-Nepal
6	Bharat Education and Peace Promotion Society	Shaheed Bhagat Singh Nagar Bordering (HP) and J&K
7	CARE HIMALAYA	Spiti
8	Children Paradise Public School Society Askote	India- Nepal
9	CREDO	Manipur
10	Cure International India Trust	Sikkim, Arunachal Pradesh, Punjab, Leh, Kashmir
11	Deerghayu Himalayan Organics	Uttarakhand
12	Dilasa Sanstha	Maharashtra
13	Dilasa Sanstha	Maharashtra
14	Divya Deeksha Sansthan	Baddi, Solan
15	Doers	Himachal Pradesh
16	Gramin Vikas Evam Paryavaran Sanstha	Dausa Sikar
17	Gunjan Organisation for Community Development	Dharmsala Himachal Pradesh
18	ICSR Foundation	Uttarakhand
19	INDIAN DEVELOPMENT FOR HUMAN CARE	Uttarakhand Bihar Punjab Himachal

20	Jivan Bharti Life Society	Rajasthan and North East
21	Kartavya Foundation For Education And Social Welfare	Uttarkashi, Uttarakhand
22	Kartavya Foundation For Education And Social Welfare	Uttarkashi, Uttarakhand
23	Khushi Centre For Rehabilitation and Research	Trilokinath Village Spiti Valley & Banjar Kullu Himachal Pradesh, Zero Valley Arunachal Pradesh, Mahor of Ryasi and RS Pura, Jammu & Kashmir, Mori Uttarakhand, Moreh Manipur, Mangan Sikkim
24	LIFE MEDICARE HELPLINE SOCIETY	RAJASTHAN
25	Live for Others-Being Helpful Foundation	J&K
26	Lok Kalyan Sansthan	Indo Pak Boarder Area of District Barmer and Jaisalmer in Rajasthan
27	Lok Sahayata Society	Rajasthan
28	Maa Vindeshwari Mandir Samiti, Bqmnigarh Manan	Almora
29	Mai Shiwalay Mahila Uni Hathkarga Udyogik Sahkari Samiti Limited	Pithoragarh, Uttarakhand
30	MAIPOSA WANCHO WELFARE SOCIETY	Kamhua Noknu, Ponchau, (Myanmar Border)
31	MALANI SEVA SANSTHAN	Jaisalmer
32	MALANI SEVA SANSTHAN SONU	Jaisalmer
33	Malani Seva Sansthan Sonu	Jaisalmer
34	MAMTA PUNERVAS EVAM SAMAZIK SHODH SANSTHAN	SRIKARANPUR & SRIGANGANAGAR
35	Manaskhand Swavalamban	Netwar, Mori Block, Uttarkashi,

	Foundation	Uttarakhand
36	Mariposa Wancho Welfare Society	Dist-Longding Arunachaı Pradesh
37	Moihu (SHG)	Myanmar
38	Nanda Devi Shiksha Samiti	Uttarakhand (Chamoli)
39	Pragati Grameen Vikas Seva Sansthan	Banswara
40	Prospective Repertory Theatre Manipur Society, Manipur	
41	Royal Indian Human Society Jalimpura	Bikaner, Shree Ganganagar, Barmer and Jaisalmer
42	SAFL India Foundation	
43	Samaarambh Foundation	Delhi
44	Sanskriti Trust	Himachal Pradesh, Uttarakhand
45	Seemajan kalyan Samiti Rajasthan	Barmer Jaisalmer Bikaner Ganganagar
46	Sewa Bharti, Haryana Pradesh	Haryana Prant
47	Shalinitai Bahuuddeshiya Shikshan Sanstha	Maharashtra
48	Society for Public affairs and Research	Dausa, Jaipur, Sikar and Alwar
49	Sunidhi Vikas Sanstha	Uttarakhand
50	SUTRA/ENSS	Himachal Pradesh
51	Swarg Dham Virdh Aashram Charitable Trust	Village and Post Office Bamnoli Main Nahara Nahari Road Bahadurgarh Distt. Jhajjar Haryana
52	Tarun Udhay Foundation	Arniars Pura Border
53	The INCLEN Trust International	Aurangabad, Palwaı,Haryana
54	THE INCLEN TRUST INTERNATIONAL	Palwal

55	Tribal Cultures Research Centre	Noney District Manipur
56	United Friends	Kamalpur
57	UTKARSH FOUNDATION GONDA U.P.	Balrampur-Gonda UP
58	Uttrakhand Jagran Manch	Chamoli
59	Vasundhara Seva Samiti Kalyanpur	Kalyanpur
60	VMIT Educational Trust	Kaurik
61	Vyaktivikas Foundation	Shravasti / Balrampur
62	Yangean Club	Nagaland Operating on the Border of Burma (Myanmar)
63	Yangean Club	Mon District Nagaland, Indo-Burma Border
64	Youth Foundation	Uttarakhand (Chamoli, Uttarkashi, Pithoragarh
65	Yuva Welfare Society	Uttarakhand
66	Daksh foundation	Faridabad
67	Param Jyoti Sewa Foundation	Murshidabad, Huguliand Nadia Distt. West Bengal

Annexure-2

मंथन-2023 कार्यक्रम की कुछ झलकियां

मंत्री जी दीप प्रज्वलित करते हुए

मंत्री जी मंथन-2023 कार्यक्रम में भाषण देते हुए

आदरणीय श्री मुरलीधर भिंडा जी, मंथन-2023 कार्यक्रम में भाषण देते हुए

CA (Dr.) विजय चौधरी जी कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए

डॉ. अमित कुमार अग्रवाल जी सभा को सम्बोधित करते हुए

मंत्री जी के साथ डॉ. सौहार्द सिंह जी सीमा जागरण मंच, सेवा विभाग में कार्यकर्ता

Annexure-3

मंथन 2023 कार्यक्रम का विभिन्न समाचार पत्रों में कवरेज

देशबन्धु
12 Jun 2023 - Page 4

आयोजन सीमा जागरण मंच का 'मंथन 2023' कार्यक्रम आयोजित

सीमावर्ती क्षेत्रों को लेकर पीएम मोदी की सोच दूरगामी : अर्जुन मेघवाल

■ कार्यक्रम में 150 से अधिक एनजीओ के प्रतिनिधियों समेत 300 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया

दैनिक पैनी खबर

राष्ट्रव्यापी स्तर पर सीमावर्ती क्षेत्रों में लिए कार्य करने वाली गैर-सरकारी संगठन सीमा जागरण मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम

देशबंधु समाचार पत्र में कवरेज

पैनी खबर समाचार पत्र में कवरेज

'Integrated Development of Border Areas - Role of NGOs'

Ashok Sharma
info@impressivetimes.com

NEW DELHI : Seema Jagran Manch, a non-governmental organization working in the border areas nationwide, organized 'Manthan 2023' on 11th June 2023 (Sunday) at Radisson Blu Hotel, Kaushambi, Ghaziabad on the topic 'Integrated Development of Border Areas - Role of NGOs'. Organized the event in which more than 300 people including representatives of more than 150 NGOs participated. Union Law Minister Arjun Ram Meghwal was the chief guest of the program who inaugurated the 'Manthan 2023' programme. At the beginning of the program, Lt. Gen. (R.) Nitin Kohli, President of Seema Jagran Manch, Delhi Province, gave a welcome speech. He said that today the biggest challenges in the border areas are related to infiltration, drug trafficking and religious conversion. The reason behind this is the paucity of resources in the border areas and the non-fulfillment of the needs of the people there. Anti-national elements cheat the innocent people living in the border areas by luring money. We have to fight against such anti-national elements and stop them. Seema Jagran Manch is constantly engaged in working for the prevention of such activities. Seema Jagran Manch runs education centers in border areas, does health related activities like arranging many ambulances in those areas etc. Today there is a great need of public awareness so that the voice of the people of the border areas reaches the masses. Every section of the society needs to move forward to protect the interests of the border areas. When we work together then only India will have a secure border. After this, Law Minister Arjun Ram Meghwal addressed the people present in the programme. He said that Prime Minister Narendra Modi has far-reaching thinking about the border areas, he says that to strengthen the border areas, it is very important to have a strong infrastructure there. The law ministers said that the people who ruled after independence were responsible for the problems in Jammu and Kashmir. The governments of that time did not show interest in developing Jammu and Kashmir by calling it a hilly region, more attention was paid to the development of other states instead of Jammu and Kashmir. When Article 370 was in force in Jammu and Kashmir, during that time the people there felt themselves insecure because of the terrorists, but today after the removal of Article 370, the people of this border state feel safe. There is almost no terrorism there. It is a good initiative to organize 'Manthan 2023' by Seema Jagran Manch, which will help in solving the problems in the border areas in the society. The Law Minister said that the border areas are also naturally very beautiful whether it is Jammu Kashmir, Ladakh or the states of North East India. We should promote tourism in the border states. There are such wonderful places in many states whose beauty will mesmerize you. Seema Jagran Manch is doing a unique work related to this, for which the organization deserves praise. Seema Jagran Manch makes its workers travel to the border areas 2-3 times a year through Seema Darshan Yatra so that they can understand the situation there and promote tourism there. Other people of the society should contribute in promoting tourism in the border areas. Many different sessions were organized in the program, in which the points like migration from border areas, tourism in border areas, research on demographic change, threats and measures, infrastructure development, agricultural development and environmental challenges were discussed in depth. and a plan was made to work on it in a coordinated manner. Apart from this, representatives of several NGOs tried to establish mutual coordination by giving presentations in front of CSR heads of various public sector units through Manthan 2023 of Seema Jagran Manch. This initiative launched for the security of border areas through brainstorming of Seema Jagran Manch will definitely help in identifying the emerging challenges and get solutions in the challenges they face by implementing their action plan for the development of border area.

SEEMA JAGRAN MANCH, A NON-GOVERNMENTAL ORGANIZATION WORKING IN THE BORDER AREAS NATIONWIDE, ORGANIZED 'MANTHAN 2023' ON 11TH JUNE 2023 (SUNDAY) AT RADISSON BLU HOTEL, KAUSHAMBI, GHAZIABAD ON THE TOPIC 'INTEGRATED DEVELOPMENT OF BORDER AREAS - ROLE OF NGOS'

Impressive times समाचार पत्र में कवरेज